



शूकर पालन पर हिंदी में निशुल्क ओपन ऑनलाइन कोर्स

अमनदीप सिंह* और प्रकाश सिंह बराड़*

हाल ही में कोरोना वायरस महामारी ने शिक्षण, प्रसार एवं प्रशिक्षण की तकनीकों की प्रासंगिकता को स्पष्ट किया है। महामारी के फैलते ही लगभग सभी शैक्षणिक और प्रशिक्षण संस्थानों ने सीखने की सुविधा के लिए विभिन्न उपकरणों का उपयोग करके ऑनलाइन कक्षाएं प्रदान करवानी शुरू कर दी थीं। ऑनलाइन शिक्षण की तकनीकों में मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (एमओओसी/मूक) का उपयोग हाल ही में प्रचलन में आया और सूचना क्रांति का एक अभिन्न अंग बन गया है। डिजिटल लर्निंग प्रौद्योगिकियों ने महामारी के दौरान और पूर्व युग में अपनी समर्थता साबित की है। मूक, डिजिटल लर्निंग टेक्नोलॉजी और लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम के घटकों में से एक है, जिससे शिक्षार्थी अपनी गति और समय पर सीख सकते हैं। ऑनलाइन कोर्स शिक्षकों और शिक्षार्थियों दोनों के लिए उपयोगी साबित हुए हैं और शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में क्रांति ला रहे हैं।

मूक प्रणाली के कोर्स शुरू में अकादमिक हितों के लिए विकसित किए गए थे। गुरु अंगद देव पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय, लुधियाना का उद्देश्य किसानों के लिए पशुधन आधारित कोर्स विकसित करके कृषक समुदाय को लाभ पहुंचाने के लिए इन शिक्षण तकनीकों का उपयोग करना है। भारत में अब तक, अधिकांश कोर्स छात्रों अथवा शिक्षाविदों के लिए अकादमिक उद्देश्यों के लिए विकसित किए गए हैं। हिंदी, पंजाबी

आदि जैसी स्थानीय भाषा में कृषक समुदाय के लिए कोई भी कोर्स उपलब्ध नहीं है। पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय, लुधियाना ने अपने नए प्रयास में शूकर पालन पर एक कोर्स विकसित किया है। भारत में कृषक समुदाय के लिए यह ऑनलाइन कोर्स हिंदी भाषा में विकसित किया गया। यह अपनी तरह का विशेषता लिए हुआ पहला कोर्स है।

शूकर पालन पर विकसित तरह के कोर्स के बारे में जानकारियां www.vetmoocs.in पर हासिल की जा सकती हैं। निम्नलिखित निर्देशों का पालन करके इन्हें उपयोग किया जा सकता है:

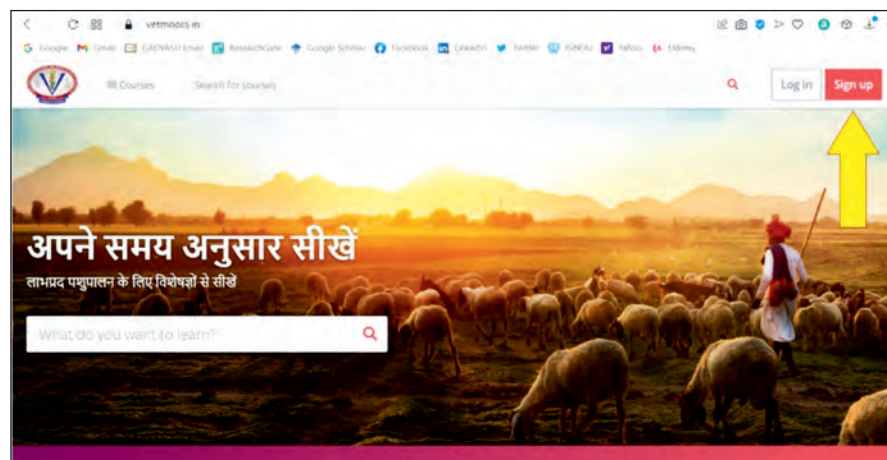
- वेब सर्वर इंजन पर www.vetmoocs.in सर्च करें और कोर्स प्लेटफॉर्म खोलें। कोर्स प्लेटफॉर्म एक वेबसाइट है, जिस पर शूकर पालन पर संपूर्ण कोर्स निहित है। इसका उपयोग करने से पहले, उपयोगकर्ता को इसके लिए साइन-अप करना होगा।
- वेबसाइट के ऊपरी दाएं कोने पर लाल रंग का 'साइन अप' बटन दिया गया है। कोर्स का उपयोग करने के लिए उपयोगकर्ता को अपना यूजर प्रोफाइल बनाने की आवश्यकता पड़ती है, जिसके लिए उसे साइन अप बटन पर क्लिक करना होगा।

*प्रसार शिक्षा निदेशालय, गुरु अंगद देव पशु-चिकित्सा एवं पशु-विज्ञान विश्वविद्यालय, लुधियाना (पंजाब)

विशेषताएं

शूकर पालन पर बनाये गए इस कोर्स में कुल 30 व्याख्यान हैं। इनमें से 2 परिचयात्मक हैं और शेष 28 व्याख्यान शूकर पालन के विषय से संबंधित हैं। व्याख्यानों को प्रति सप्ताह सात व्याख्यानों के सेट में व्यवस्थित किया गया है, ताकि किसान इस ऑनलाइन कोर्स को चार सप्ताह में पूरा कर सकें। व्याख्यान चित्रों एवं चलचित्रों की सहायता से किसानों के लिए अत्यधिक संवादात्मक तरीके से विकसित किए गए हैं, ताकि किसान शूकर पालन के तरीकों को अच्छी तरह समझ पायें।

- साइन अप बटन पर क्लिक करने के बाद, स्क्रीन पर एक पंजीकरण फॉर्म दिखाई देगा, जिसमें उपयोगकर्ता को अपना पहला नाम, अंतिम नाम, ईमेल और पासवर्ड भरना होगा। उपयोगकर्ता को पहले से ही बनाए गए ईमेल को दर्ज करना होगा और विशेष रूप से कोर्स का उपयोग करने के लिए एक नया पासवर्ड बनाना होगा। इस ईमेल और पासवर्ड का उपयोग बाद में कोर्स प्लेटफॉर्म में लॉगिन इन करने के लिए किया जाएगा।
- पंजीकरण फॉर्म को भरने के बाद 'साइन अप' बटन दबाएं। सत्यापन (वेरिफिकेशन) के लिए पंजीकरण फॉर्म में उपयोगकर्ता द्वारा दर्ज किए गए ईमेल पर एक कोड भेजा जाएगा। सत्यापन कोड पूछने वाली एक नई स्क्रीन खुल जाएगी। उपयोगकर्ता को



यूजर प्रोफाइल बनाने के लिए वेबपेज

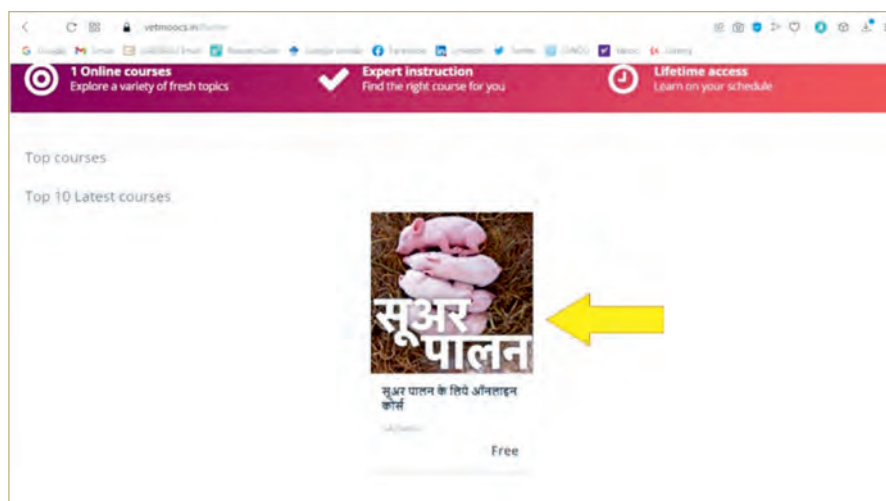
- अपना ईमेल खोलना होगा, जो उसने दर्ज किया है और दिए गए स्थान पर सत्यापन कोड भरना होगा और 'जारी रखें' पर क्लिक करना होगा।
- ईमेल और पासवर्ड के लिए रिक्त स्थान के साथ एक नया लॉगिन पेज खुल जाएगा। ईमेल और पासवर्ड का उपयोग करके लॉगिन करें, जो साइन अप के दौरान दर्ज किया था। ईमेल और पासवर्ड दर्ज करने के बाद, 'लॉगिन' पर क्लिक करें।
- लॉगिन करने के बाद कोर्स प्लेटफॉर्म पर उपयोगकर्ता की पर्सनल प्रोफाइल खुल जाएगी। नीचे स्क्रॉल करें और शूकर पालन पर ऑनलाइन कोर्स के लिए दिए गए आइकन पर क्लिक करें।
- कोर्स के विवरण के साथ एक नया पेज खुलेगा। इस पृष्ठ पर, उपयोगकर्ता को पाठ्यक्रम तक पहुंचने के लिए पंजीकरण करना होगा। पंजीकरण के लिए, बस लाल बटन के रूप में दिए गए 'नामांकित करें' पर क्लिक करें। यदि उपयोगकर्ता बाद में कोर्स

करना चाहता है, तो वह बैंगनी बटन पर क्लिक करके उसे विशलिस्ट कर सकता है।

- शूकर पालन पर कोर्स के लिए पंजीकरण करने के बाद, एक नया पेज खुलेगा, जिसमें पाठ्यक्रम में हुई प्रगति के लिए बार होगा यानी पाठ्यक्रम कितना पूरा हो चुका है। पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए 'पाठ शुरू करें' पर क्लिक करें।
- 'पाठ शुरू करें' पर क्लिक करने के बाद वीडियो प्लेटफॉर्म दिखाई देगा। वीडियो शुरू करने के लिए प्ले-बटन पर क्लिक करें। शूकर पालन के इस

संपर्क सूत्र

किसानों द्वारा किया गया कोर्स उनके सम्बंधित व्यक्तिगत प्रोफाइल में दिखाई देगा, जिसे वह कभी भी एक्सेस कर सकते हैं। भविष्य में कोर्स या कोर्स के किसी भी वीडियो तक पहुंचने के लिए, किसानों को अपनी पहले से बनाई गई व्यक्तिगत प्रोफाइल में लॉग इन करना होगा। कोर्स के संबंध में कोई भी परिवर्तन या विकास पंजीकृत ईमेल के माध्यम से सूचित किया जाएगा। यदि कोई पासवर्ड बदलना चाहता है या कोर्स प्रोफाइल का पासवर्ड भूल जाता है, तो पंजीकृत ईमेल का उपयोग करके उपयोगकर्ता नया पासवर्ड बना सकते हैं। शूकर पालन पर कोर्स से संबंधित प्रश्नों या समस्याओं का समाधान gadvasu@vetmoocs@gmail.com पर ईमेल लिखकर या 62832-58834 और 62832-97919 पर कॉल करके किया जा सकता है।



ऑन लाइन पंजीकरण फॉर्म



आजीविका का साधन शूकर पालन

ऑनलाइन कोर्स में दो परिचयात्मक वीडियो और 28 विषय वस्तु वीडियो हैं। 28 विषय वस्तु वीडियो चार सप्ताह में विभाजित हैं। प्रत्येक सप्ताह में सात वीडियो हैं, जिन्हें कृषक अपनी पसंद और समय के अनुसार देख सकते हैं।

- अगला वीडियो देखने के लिए उसके शीर्षक पर क्लिक करें। वीडियो पूरी देखने पर वीडियो के शीर्षक के सामने बने डिब्बे पर सही का निशान लग जायेगा। उपयोगकर्ता को सभी वीडियो पूरी तरह से देखने की जरूरत रहेगी,

क्योंकि पूरे पाठ्यक्रम में उपयोगकर्ता की प्रगति ट्रैक की जाती है।

- शूकर पालन पर ऑनलाइन कोर्स मुफ्त रखा गया है, लेकिन अगर कोई ई-सर्टिफिकेट डाउनलोड करना चाहता है, तो उसे 20 प्रश्नों की प्रश्नोत्तरी सफलतापूर्वक पूरी करनी होगी और कम से कम 10 सही उत्तरों को चिन्हित करना होगा। प्रश्नोत्तरी में उत्तीर्ण अंक प्राप्त करने के बाद, उपयोगकर्ता को भुगतान गेटवे पर पुनः निर्देशित किया जाएगा, जिसमें उसे प्रमाणपत्र शुल्क के रूप में 500 रुपये

की राशि का भुगतान करना होगा। प्रमाणपत्र शुल्क के भुगतान के बाद, प्रमाणपत्र स्वचालित रूप से डाउनलोड हो जाएगा।

- प्रत्येक वीडियो के अंत में इस वीडियो से संबंधित सवाल पूछने के लिए एक बटन दिया गया है, जिसे फोरम कहा जाता है। यदि किसी किसान को वीडियो में कोई संदेह है, तो वह 'एक नया प्रश्न पूछें' पर क्लिक करके अपना प्रश्न छोड़ सकता है, जिसका जवाब विशेषज्ञों द्वारा दिया जाएगा। इसी मंच का उपयोग किसान आपस में भी अपनी प्रथाओं और ज्ञान पर चर्चा करने के लिए भी कर सकते हैं।

उम्मीद है कि शूकर पालन में रुचि रखने वाले कृषक तथा अन्य हितधारक इस इंटरैक्टिव लर्निंग सिस्टम से अधिकतम लाभ प्राप्त करके शूकर उद्योग को प्रगति के पथ पर अग्रसर करेंगे। अपनी बेहतर डिजिटल साक्षरता और इंटरनेट सुविधा की उपलब्धता के आधार पर युवा इस ऑनलाइन पाठ्यक्रम का लाभ उठा सकते हैं। क्षेत्र के विशेषज्ञों से वैज्ञानिक शूकर पालन के बारे में सीख सकते हैं, जिससे वह स्वरोजगार और स्थायी आजीविका के सृजन के लिए खुद को आगे बढ़ा सकते हैं।

भाकृअनुप की द्विमासिक बागवानी पत्रिका 'फल फूल' मार्च-अप्रैल, 2023 अंक के प्रमुख आकर्षण

- | | |
|--|---|
| ◆ अधिकतम उपज प्राप्त करने के लिए मृदा पोषक तत्व सूचकांक का महत्व | ◆ बागवानी उपज स्थिरता एवं खाद्य सुरक्षा में फसल विविधीकरण की भूमिका |
| ◆ केले में सूक्ष्म पोषक तत्व: महत्व, कमी की पहचान तथा प्रबंधन | ◆ प्याज के बीज उत्पादन की उन्नत प्रौद्योगिकी |
| ◆ फुटकल: अंजीर कुल का एक गुणकारी एवं स्थानीय महत्व वाला वृक्ष | ◆ सौफ परागकण: एक मूल्यवान मसाला उत्पाद |
| ◆ गाजर की वैज्ञानिक खेती | ◆ उद्यानिकी फसलों में घुलनशील उर्वरकों का उपयोग |
| ◆ खीरा में समेकित कीट प्रबंधन | ◆ किसान की आय दोगुनी करने में लाभप्रद- 'ड्रैगनफ्रूट' |
| ◆ गृह वाटिका में सब्जियों की खेती | ◆ फूल गोभी के मुख्य रोग और उनका प्रबंधन |
| ◆ सतत उपज और मृदा संरक्षण के लिए लाभदायी रतालू की खेती | ◆ टमाटर के रोग एवं निदान |

संपर्क सूत्र: प्रभारी, व्यवसाय एकक, भाकृअनुप-कृषि ज्ञान प्रबंध निदेशालय, कैब-1, पूसा गेट, नई दिल्ली-110012

दूरभाष: 25843657, www.icar.org.in